स्वतंत्रता दिवस की 69वीं वर्षगांठ के अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल का राज्य के नागरिकों के नाम संदेश

राजभवन, देहरादून दिनांक 14 अगस्त, 2016

'' मेरे प्यारे उत्तराखण्ड निवासियों!

आजादी की 69वीं वर्षगांठ पर आप सबको हार्दिक बधाई, शुभकामनायें और अभिनन्दन। देश की सीमाओं के प्रहरी वीर जवानों और उनके परिजनों को भी नमन्।

आज का दिन स्वतंत्रतता आन्दोलन के उन असंख्य ज्ञात–अज्ञात देशभक्तों के प्रति आभार और श्रद्धांजलि व्यक्त करने का है, जिनके कठिन संघर्ष, दृढ़विश्वास, बलिदान और आदर्श नेतृत्व ने हमें आजादी दिलाई। साथ ही, हमें दुनिया के सबसे सशक्त लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने का सम्मान दिलाया। आज का दिन उनके 'सपनों का भारत' बनाने के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लेने का दिन भी है। इस अवसर पर हमें बापू के आदर्शों को याद रखना होगा। हमें डॉ. अंबेडकर और उनकी पंक्ति के महान विचारकों का आभार व्यक्त करना होगा, जिन्होंने इस राष्ट्र को मजबूत नींव प्रदान की।

हमें राजनैतिक स्वतंत्रता तो हासिल हो गई, किन्तु नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय मूल्यों की स्थापना के बिना सच्ची स्वतंत्रता को परिभाषित नहीं किया जा सकता। आज हमारे सामने सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना की चुनौती मौजूद है। सामाजिक लोकत्रंत की स्थापना से ही समाज के सभी वर्ग साथ मिलकर देश को आगे ले जा सकेंगे। जब तक महिलाएं और कमजोर वर्ग के लोगों को आगे आने के समान अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक लोकतंत्र को पूर्णता प्राप्त नहीं हो सकेगी।

मेरा दृढ़ मत है कि हम सबके जीवन में विकास के समुचित और समान अवसरों का उपलब्ध होना ही सच्ची आजादी है। इसी भावना पर विकास की परिभाषा टिकी है। सामाजिक समानता और आर्थिक संपन्नता के बिना आम आदमी के जीवन में आजादी के कोई मायने नहीं है। महात्मा गाँधी भी यही कहते थे। वास्तव में, सच्ची स्वतंत्रता, सहयोग, सह अस्तित्व और सर्वांगीणता में निहित है।

प्यारे साथियो!

आजादी को सहेजना और उसे संस्कारों, कर्तव्यों तथा नैतिक मूल्यों से पोषित करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी व चुनौती है। इस स्वर्णिम अवसर पर हमें विचार करना होगा कि महापुरूषों की कठिन तपस्या से प्राप्त 'आजादी' को बरकरार रखने और उनके सपनों को हकीकत में बदलने के लिए एक अच्छे नागरिक के रूप में हम क्या योगदान दे रहे हैं?

प्रिय नागरिको!

हमारे प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के माध्यम से हर आयु, हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर व्यवसाय के लोगों के हृदय में राष्ट्र निर्माण में सहयोग का जज्बा पैदा कर दिया है। वे अपने हक की बात के साथ ही जिम्मेदारियों के प्रति भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कोई बड़ी–बड़ी बातें नहीं बल्कि छोटी–छोटी व्यावहारिक बातों का उदाहरण देकर बड़े लक्ष्य हासिल करने का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने स्वच्छता अभियान के जरिये पूरे देश को स्वच्छता के प्रति सजग किया है।

माननीय प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, स्किल्ड–इंडिया, स्वच्छ भारत, समृद्ध भारत जैसे जो अभियान शुरू किए हैं, उनमें भी उत्तराखंड को बढ़–चढ़कर अपनी भूमिका निभाते हुए आगे बढ़ना है।

हमें स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान देना है क्योंकि हमारे प्रदेश की आर्थिकी काफी हद तक पर्यटन पर आधारित है। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जिसका साफ–सफाई से सीधा–सीधा संबंध है। पर्यटन युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराता है। वातावरण की शुद्धता का, मन के विचारों पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ता है, सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं और रचनात्मकता विकसित होती है। साधारण रोग और बीमारियों से बचाव का इससे आसान और कोई उपाय नहीं है इसके लिए किसी बजट की भी जरूरत नहीं है।

प्राकृतिक सौन्दर्य से समृद्ध और योग की जन्म स्थली उत्तराखण्ड को पर्यटन विकास की असीम सम्भावनाओं का लाभ लेने के लिए राज्य की छवि स्वच्छ प्रदेश के रूप में भी स्थापित करनी होगी तभी हम दुनिया के पर्यटक मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल होंगे।

प्रदेश में अच्छी बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है जिनमें सबसे पहले सड़कों के रख–रखाव पर ध्यान देना होगा। सड़कें ऐसी बनें कि उन पर बरसात का असर न हो क्योंकि बरसात तो हर साल आयेगी। सड़कों को एक्सीडेंट फ्री भी होना चाहिए इससे विकास के साथ–साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

हमारे प्रदेश का ळक्च बहुत ऊँचे स्तर पर पहुँच गया है परन्तु हमें इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि दूरस्थ गाँवों से पलायन अभी रूका नहीं है। विकास का लाभ प्रांत के सभी क्षेत्रों में समान रूप से पहुँचाने के लिए भरपूर प्रयासों और एक मजबूत

विशेष कार्याधिकारी, सूचना, राजभवन,उत्तराखण्ड मो0–9456590619 टे0/फै0 0135–2756172

योजना की जरूरत है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि–बागवानी जैसे क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की मजबूती से राज्य की तस्वीर में सुखद परिवर्तन लाने के लिए विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाना आवश्यक है। युवाओं तथा महिलाओं के कौशल विकास से 'हर हाथ को काम' मिलेगा इसके लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध 'रॉ–मैटीरियल' आधारित उत्पादों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण के अच्छे परिणाम दिखेंगे। फल–फूलों, जड़ी–बूटियों सहित अन्य नकदी फसलों के उत्पादन के लिए स्थानीय लोगों को प्रोत्साहन देना जितना आवश्यक है उतना ही जरूरी है उत्पादों के विपणन की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

प्यारे नागरिको!

राज्यगठन के बाद अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए हमने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। सामाजिक और आर्थिक बदलाव भी दिखाई दे रहे हैं। किन्तु इतने से संतुष्ट होकर बैठने का समय नहीं है। हमारे सामने सबसे बड़ा लक्ष्य है कि उत्तराखंड को देश का सबसे शिक्षित, स्वच्छ, स्वस्थ और प्रगति के अवसरों से भरपूर राज्य बनाया जाए। हमें गरीबी, अशिक्षा, भ्रष्टाचार और जातिगत भेदभावों से मुक्त होने की स्थिति का भी आकलन करना होगा।

किसी भी समाज के विकास में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। हमें इस क्षेत्र में बहुत सुधार करने की जरूरत है। राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के दृष्टिगत आधुनिक तकनीकी के प्रयोग के आधार पर कौशल विकास को बढ़ावा देकर राज्य के युवाओं को असीमित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। कौशल विकास में परंपराओं, जीवन शैली, स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को भी ध्यान में रखना होगा। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु अनुकूल स्थितियां बनानी होगी। युवाओं को उनकी जड़ों से जोड़ने और पलायन रोकने में स्वरोजगार के अनुकूल अवसर बहुत कारगर साबित होंगे।

मेरे युवा साथियो!

आजादी के जश्न के अवसर पर समाज की तस्वीर बदलने का ऐसा जुनून और जज्बा अपने हृदय में पैदा करें जो अधिकारों से पहले कर्तव्यों के प्रति सजग करे। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार का हिस्सा बनने से रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आपको प्रेरित करे। रोजगार की खोज में अपनी जड़ों से अलग होने की बजाय स्वरोजगार के लिए प्रयास करें। प्रधानमंत्री ने युवाओं के स्वरोजगार के लिए स्टार्ट अप जैसे कई नए अभियान चलाए हैं उनका लाभ उठाएं। ध्यान रखें कि शिक्षा और जागरूकता ऐसी शक्तियाँ हैं जो हमारी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने के साथ ही प्रगति के राह की सभी बाधाओं को तोड़ती हैं। लगन और कठिन परिश्रम हर सफलता की कुंजी है।

मुझे यह कहते हुए गर्व है कि उत्तराखंड देवभूमि होने के साथ–साथ वीरभूमि भी है। हमारे राज्य के हजारों युवा देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। राष्ट्र की सुरक्षित सीमाएं लोकतंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। आज देश की एकता, अखंडता और आजादी को बचाए रखने के लिए ऐसे तत्वों से सचेत रहने की जरूरत है जो समाज में जाति, धर्म और भाषा के आधार पर भेदभाव पैदा करते हैं। ऐसी गतिविधियों के विरूद्ध भी जागरूक रहें जो अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं।

युवाओं से मेरी और एक अपेक्षा है कि वे अपनी जड़ों से अलग न हों, अपनी संस्कृति, मूल्यों और परम्पराओं को न छोड़े क्योंकि उनमें ही छिपा है स्वस्थ, सुखी तथा सम्मानित जीवन का रहस्य।

आज के दिन हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपनी–अपनी क्षमतानुसार सक्रिय और सकारात्मक सहभागिता से राज्य को ऐसे सम्मानित स्थिति तक ले जाएं कि राज्य के साधन–सम्पन्न और साधनहीन नागरिकों के बीच का अन्तर न्यूनतम हो सके। हमारा यही प्रयास आजादी के महानायकों के त्याग और बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर आप सभी को एक बार पुनः बधाई एवं मंगलकामनाएं।

जय हिन्द!''

.....0.....

<u>15 अगस्त, स्वाधीनता दिवस की 69वीं वर्षगांठ पर राजभवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम</u>

- प्रातः08 बजे राज्यपाल द्वारा ध्वजारोहण
- सायं 5.30 बजे स्वल्पाहार का आयोजन
- सायं 7.30 बजे से 8.30 बजे तक रोशनी में नहाये राजभवन के दर्शनों हेतु जनसामान्य का प्रवेश अनुमन्य

.....0.....

विशेष कार्याधिकारी, सूचना, राजभवन,उत्तराखण्ड मो0–9456590619 टे0/फै0 0135–2756172